सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 322 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 2 जनवरी, 2023

मूल्य ₹ 3/-

काम के आदमी के साथ आपकी बात संक्षिप्त और व्यापक होनी चाहिए।
-जार्ज वाशिंगटन

अखिलेश की राहुल को चिट्ठी, 'भारत जोड़ो'... 8 | बड़ा सियासी संदेश दे गए बिहार... 3 | छह हजार अनाथ बच्चों के लिए बनेगा... 7

नोटबंदी के फैसले से क्या मिलेगी सरकार को राहत या तूल पकड़ेगा यह मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नोटबंदी के खिलाफ दायर याचिका के मामले में आज बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने इससे जुड़ी सभी 58 याचिकाओं को खारिज करते हुए केंद्र सरकार की घोषणा को सही ठहराया। कोर्ट ने ये भी कहा कि नोटबंदी को लेकर सरकार ने सभी नियमों का पालन किया। छह महीने तक सरकार और आरबीआई के बीच इस मसले को लेकर बातचीत हुई और इसके बाद फैसला लिया गया।

जस्टिस एस अब्दुल नजीर की अध्यक्षता वाली पांच जजों की पीठ ने इस मामले में अपना फैसला 4-1 से सुनाया है। कोर्ट ने केंद्र सरकार, रिजर्व बैंक और याचिकाकर्ताओं की दलीलों को विस्तार से सुनने के बाद पिछले सात दिसंबर को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब इस फैसले के बाद सरकार को बड़ी राहत तो मिल गई है मगर सियासी दलों द्वारा इसकी समीक्षा की जा रही है। यह मामला तूल भी पकड़ सकता है!

गैरकानूनी थी घोषणा, आरबीआई ने लांघी सीमा: जस्टिस नागरत्ना

फैसला सुनाने वाली पांच जजों की बेंच में शामिल न्यायमूर्ति नागरत्ना ने नोटबंदी के फैसले पर सवाल उठाए हैं। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि 8 नवंबर, 2016 की अधिसूचना के अनुसार केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई नोटबंदी की कार्रवाई गैरकानूनी है। लेकिन इस समय यथास्थिति बहाल नहीं की जा सकती है। अब क्या राहत दी जा सकती है? उन्होंने कहा कि 500 रुपये और 1000 रुपये के सभी नोटों का विमुद्रीकरण गैरकानूनी और गलत है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने आरबीआई अधिनियम की धारा 26 (2) के तहत अलग राय रखी। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि मैं साथी जजों से सहमत हूं, लेकिन मेरे तर्क अलग हैं। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव केंद्र सरकार की तरफ से आया था और आरबीआई की राय मांगी गई थी।

» पांच जजों की बेंच ने 4-1 से दिया है निर्णय

» फैसले की समीक्षा करने में जुटा विपक्ष

सभी याचिकाएं खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के 2016 में 500 और 1000 के नोटों को बंद करने के फैसले को बरकरार रखा है। कोर्ट ने सरकार के इस कदम को सही ठहराते हुए नोटबंदी के खिलाफ दायर सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया है। पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा है कि यह निर्णय कार्यकारी की आर्थिक नीति होने के कारण उलटा नहीं जा सकता है।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 8 नवंबर, 2016 को केंद्र द्वारा घोषित नोटबंदी को चुनौती देने वाली 58 याचिकाओं के एक बैच पर सुनवाई की है। इन याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान करेंसी नोटों को बंद करने को गंभीर रूप से त्रुटिपूर्ण बताते हुए वरिष्ठ वकील चिदंबरम ने तर्क दिया था कि सरकार कानूनी निविदा से संबंधित किसी भी प्रस्ताव को अपने दम पर शुरू नहीं कर सकती है। ये केवल आरबीआई के केंद्रीय बोर्ड की सिफारिश पर किया जा सकता है। वहीं, 2016 की नोटबंदी की कवायद पर फिर से विचार करने के शीर्ष अदालत के प्रयास का विरोध करते हुए सरकार ने कहा था कि अदालत ऐसे मामले का फैसला नहीं कर सकती है जब घड़ी को पीछे करने से कोई ठोस राहत नहीं दी जा सकती है।

●2016 में सरकार ने की थी नोटबंदी

केंद्र सरकार ने साल 2016 में आठ नवंबर की रात 500 और 1000 रुपए के नोटों को बंद कर दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद राष्ट्र के नाम संबोधन में इसका एलान किया था। सरकार के इस एलान के बाद देशभर के बैंकों, एटीएम पर लंबी-लंबी लाइनें लगी हुई दिखी थीं। लोगों ने पुराने नोट बदलकर नए नोट हासिल करने के लिए काफी जद्दोजहद की थी।

●नोटबंदी के खिलाफ 58 याचिकाएं

सरकार के नोटबंदी के फैसले को विपक्ष ने मुद्दा बनाया। केंद्र सरकार पर तमाम तरह के आरोप लगाए थे। विपक्ष का कहना था कि ये एक तरह का घोटाला है। इसके खिलाफ कोर्ट में 58 अलग-अलग याचिकाएं दाखिल हुई थीं। इनपर लंबी सुनवाई के बाद कोर्ट ने सात दिसंबर को आदेश सुरक्षित रख लिया था।

●पांच जजों की पीठ ने सुनाया फैसला

नोटबंदी के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए पांच जजों की बेंच ने अहम फैसला सुनाया। जस्टिस एस अब्दुल नजीर ने इसकी अध्यक्षता की। इस बेंच में जस्टिस नजीर के अलावा जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस एएस बोपन्ना, जस्टिस वी रामासुब्रमण्यन और जस्टिस बीवी नागरत्ना शामिल रहे।

●याचिका में दी गई दलील

याचिकाकर्ताओं के वकील की ओर से दलील दी गयी थी कि इस मामले में आरबीआई कानून 1934 की धारा 26(2) का इस्तेमाल किया गया है। वरिष्ठ अधिवक्ता पी. चिदम्बरम ने दलील दी थी कि केंद्र सरकार कानूनी निविदा से संबंधित किसी भी प्रस्ताव को अपने दम पर शुरू नहीं कर सकती है और यह केवल आरबीआई के केंद्रीय बोर्ड की सिफारिशों पर किया जा सकता है।

●केंद्र सरकार ने रखा पक्ष

केंद्र सरकार ने इसे अकादमिक मुद्दा बताया था। सरकार ने कहा था कि अदालत ऐसे मामले का फैसला नहीं कर सकती है, जब बीते वक्त में लौट कर कोई ठोस राहत नहीं दी जा सकती है।

●कोर्ट ने मांगा था दस्तावेज

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को सात दिसंबर को निर्देश दिया था कि वे सरकार के 2016 में 1000 रुपये और 500 रुपये के नोट को बंद करने के फैसले से संबंधित प्रासंगिक रिकॉर्ड पेश करें। जिसके बाद सरकार और आरबीआई की तरफ से इस मसले पर सील बंद लिफाफा में दस्तावेज पेश किए गए थे।

●सरकार और आरबीआई के दिए गए तर्क

अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने नोटबंदी की वजहें समझाते हुए कहा था कि नोटबंदी कोई अकेला कदम नहीं था बल्कि एक व्यापक आर्थिक नीति का हिस्सा था, ऐसे में ये संभव नहीं है कि आरबीआई और सरकार अलग-थलग रहकर काम करती रहें। उन्होंने कहा था कि आरबीआई और केंद्र सरकार एक-दूसरे के साथ सलाह-मशविरा करते हुए काम करते हैं। आरबीआई ने बताया कि सेंट्रल बोर्ड मीटिंग के दौरान आरबीआई जनरल रेगुलेशंस, 1949 की कोरम (बैठक में एक निश्चित सदस्यों की संख्या) से जुड़ी शर्तों का पालन किया गया। रिजर्व बैंक ने बताया है कि इस बैठक में आरबीआई गवर्नर के साथ-साथ दो डिप्टी गवर्नर और आरबीआई एक्ट के तहत नामित पांच निदेशक शामिल थे। ऐसे में कानून की उस शर्त का पालन किया गया था जिसके तहत तीन सदस्य नामित होने चाहिए।

●4 जनवरी को सेवानिवृत्त हो रहे हैं जस्टिस नजीर

नोटबंदी पर फैसला सुनाने वाले सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस एस नजीर दो दिन बाद यानी चार जनवरी को रिटायर हो रहे हैं। रिटायरमेंट से पहले उनका ये बड़ा फैसला ऐतिहासिक बताया जा रहा है।

भाजपा की गोद में बैठी है बसपा : खाबरी

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा- यूपी में तेजी से बढ़ रहा कांग्रेस का जनाधार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा प्रवेश करने वाली है। उससे पहले पार्टी के नेताओं ने भूमिका बनाना शुरू कर दिया है। राहुल गांधी के बीजेपी के सामने कांग्रेस के एकमात्र विकल्प होने के दावे के बाद अब यूपी कांग्रेस अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने कहा कि राज्य में कांग्रेस का जनाधार तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने पिछले ढाई महीने में ही काफी ग्रोथ किया है। आने वाले छह महीने में हमारी पार्टी यूपी में हर जगह दिखेगी।

खाबरी ने कहा कि प्रदेश कमिटी की नई टीम तैयार करने में अब बहुत समय नहीं लगेगा। चुनाव आगे बढ़ेंगे तो भारत जोड़ो यात्रा के बाद हम टीम घोषित कर देंगे। निकाय के चुनाव को लेकर कांग्रेस की तैयारी के सवाल पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हमारी इतनी बड़ी तैयारी है कि भाजपा घुटने के बल बैठ जाएगी। कांग्रेस पूरी दमदारी के साथ निकाय चुनाव लड़ेगी। अभी हाल में हुए उपचुनाव में बसपा की अनुपस्थिति में दलित वोट सपा की तरफ चला गया, जबकि कांग्रेस इस वोट बैंक को अपने पाले में लाने के प्रयास में थी। उन्होंने कहा कि अधिकांश जाटव बिरादरी का वोट जब उसे कोई रास्ता नहीं मिला तो वह डालने ही नहीं गया। आने वाले समय में जो भी चुनाव होंगे दलितों का वोट कांग्रेस के पाले में ही पूरी ताकत के साथ आएगा। वर्तमान में यूपी कांग्रेस में कई क्षत्रप हैं चाहे नसीमुद्दीन और सलमान खुर्शीद हों अथवा अन्य कोई, इनके बीच पार्टी को कैसे आगे ले जायेंगे, इस पर उन्होंने कहा कि यहां कोई क्षत्रप का मामला नहीं है अब जनता को लुटने से बचाना है। भारत जोड़ो यात्रा पर खाबरी ने कहा कि हमारा काम इस यात्रा के माध्यम से नफरत को खत्म कर भाईचारा कायम करना है।

मायावती खुद को मिटाने के लिए पर्याप्त

सपा और बसपा के यात्रा में शामिल होने के सवाल पर यूपी कांग्रेस अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने कहा कि सपा को देख रहे हैं किस प्रकार की राजनीति हो रही है। बसपा भाजपा की गोद में बैठी है। मायावती अपने को मिटाने के लिए खुद ही पर्याप्त हैं। मायावती के साथ आने के कोई चांस नहीं है। साल 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की तैयारी के बारे में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यहां से भाजपा को साफ कर देंगे। लोगों की कल्पना नहीं होगी उतने सांसद कांग्रेस के होंगे।

सपा ने हमेशा अति पिछड़ों के साथ छल किया : मायावती

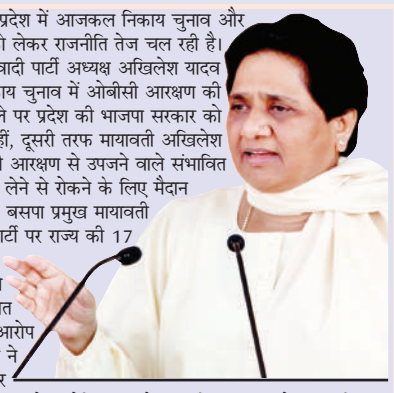

लखनऊ। प्रदेश में आजकल निकाय चुनाव और ओबीसी वोटरों को लेकर राजनीति तेज चल रही है। एक तरफ समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव नगर निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण की अनदेखी के मसले पर प्रदेश की भाजपा सरकार को घेर रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ मायावती अखिलेश यादव को ओबीसी आरक्षण से उपजने वाले संभावित असंतोष का लाभ लेने से रोकने के लिए मैदान में उतर आई हैं। बसपा प्रमुख मायावती ने समाजवादी पार्टी पर राज्य की 17 अति पिछड़ी जातियों को आरक्षण से वंचित करने का आरोप लगाया। मायावती ने भाजपा और कांग्रेस पर आरक्षण विरोधी होने का आरोप लगाते हुए सपा को भी आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि सपा ने 17 अति-पिछड़ी जातियों को ओबीसी वर्ग (अन्य पिछड़ा वर्ग) की सूची से हटाकर एससी (अनुसूचित जाति) वर्ग में शामिल करने का गैर-संवैधानिक कार्य कर इन वर्गों के लाखों परिवारों को ओबीसी आरक्षण से वंचित कर दिया। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि ऐसा करने का अधिकार नहीं होने के बावजूद तत्कालीन सपा सरकार की ओर से यह गलत कदम उठाया गया। इससे वे सभी जातियां न तो ओबीसी में ही रह पाई और न ही उन्हें एससी में शामिल किया जा सका। मायावती ने कहा कि इस कदम को लेकर सपा सरकार को अदालत की फटकार भी लगी। बसपा सरकार में एससी और एसटी (अनुसूचित जनजाति) के साथ-साथ अति-पिछड़ों व पिछड़ों को भी आरक्षण का पूरा हक एवं आदर-सम्मान दिया गया। मायावती ने आरोप लगाया कि सपा की सरकारों ने अति-पिछड़ों को पूरा हक न देकर उनके साथ हमेशा छल करने का काम किया। सपा ने पदोन्नति में एससी-एसटी आरक्षण खत्म कर दिया। पार्टी ने संसद में इससे संबंधित विधेयक की प्रति फाड़ दी और उसे पारित भी नहीं होने दिया। मायावती ने कहा कि आरक्षण को लागू करने को लेकर संविधान बनने से लेकर आज तक चुनौती बनी हुई है। कांग्रेस, भाजपा और सपा सहित कोई भी विरोधी पार्टी आरक्षण के साथ इस संवैधानिक उत्तरदायित्व के प्रति ईमानदार नहीं है।

कानून और स्वास्थ्य के मुद्दे पर सरकार को घेरेगी सपा

लखनऊ। यूपी उपचुनाव में शानदार प्रदर्शन के बाद समाजवादी पार्टी लगातार प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमलावर है। अब समाजवादी पार्टी कानून व्यवस्था व स्वास्थ्य के मुद्दे पर भाजपा सरकार को घेरेगी। सपा ने इन दोनों ही मसलों पर आक्रमण शुरू कर दिया है। अब अगले कुछ महीनों में महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्या, कानून व्यवस्था व स्वास्थ्य के मुद्दे पर सपा सड़कों पर उतरने की तैयारी कर रही है। निकाय चुनाव व 2024 का लोकसभा चुनाव को देखते हुए पार्टी इन मुद्दों के जरिए अपने कार्यकर्ताओं में जोश भरेगी। सपा ने एक ऐसी टीम बनाई है जो आपराधिक व खराब स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर प्रदेश भर में जो खबरें प्रकाशित हो रही हैं, उनका वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट कर रही है। सपा इसे टैग लाइन 'डबल इंजन भाजपा सरकार, अपराध नियंत्रण में नाकाम' एवं 'प्रदेश में भाजपा सरकार, अपराध बढ़ रहा लगातार' नाम से इंटरनेट मीडिया पर अपलोड कर रही है। प्रदेश की खराब स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर भी मीडिया में जो खबरें प्रकाशित हो रही हैं, उसे भी सपा इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट कर रही है। मैनपुरी लोकसभा व खतौली विधानसभा उपचुनाव में मिली जीत से उत्साहित सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव अब पार्टी का जोश वर्ष 2024 तक यूं ही बरकरार रखना चाहते हैं। इसी रणनीति के तहत अखिलेश लगातार जिलों में जाकर अपने कार्यकर्ताओं व नेताओं से मिलकर उन्हें भाजपा सरकार के खिलाफ संघर्ष के लिए तैयार कर रहे हैं।

राहुल का प्रभावशाली नेतृत्व रहा तो 2024 में होंगे बड़े राजनीतिक बदलाव : संजय राउत

» कहा- लव जेहाद को हिंदुओं के बीच भय फैलाने में किया जा रहा है इस्तेमाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना के नेता संजय राउत ने दावा किया कि पिछले वर्ष कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नेतृत्व प्रभावशाली रहा और अगर वर्ष 2023 में यही क्रम जारी रहा तो अगले आम चुनाव में देश में राजनीतिक बदलाव देखने को मिल सकता है।

शिवसेना के मुखपत्र सामना में अपने साप्ताहिक आलेख रोकटोक में राउत ने यह कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केन्द्रीय मंत्री अमित शाह को नफरत और विभाजन के बीज नहीं बोने चाहिए। राउत ने कहा कि राम मंदिर का मुद्दा सुलझ गया है, इसलिए इस मामले पर अब कोई वोट नहीं मांगे जा सकते। उन्होंने कहा कि इसलिए लव जेहाद का एक नया पेंच तलाशा जा रहा है। क्या लव जेहाद का यह नया हथियार चुनाव जीतने के लिए और हिंदुओं के बीच भय फैलाने में इस्तेमाल किया जा रहा है। तुनिषा शर्मा और बहुचर्चित श्रद्धा हत्याकांड का जिक्र करते हुए राउत ने कहा कि ये लव जेहाद के मामले नहीं थे। हालांकि, उन्होंने कहा कि किसी भी जाति अथवा धर्म की महिला को प्रताड़ित नहीं किया जाना चाहिए। राउत ने उम्मीद जताई कि वर्ष 2023 में देश भयमुक्त बनेगा। उन्होंने कहा कि जो चल रही है वह है सत्ता की राजनीति।

विपक्षी पार्टियों का एकजुट होना वक्त का तकाजा : प्रमोद तिवारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी एकता को लेकर फिर से कवायद शुरू हो गई है। क्षेत्रीय पार्टियों द्वारा अपने-अपने नेताओं का नाम नेतृत्वकर्ता के तौर पर उछाले जाने के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा है कि यह वक्त का तकाजा है कि बीजेपी को हराने के लिए विपक्षी पार्टियों को एकजुट हो जाना चाहिए।

नेतृत्व या फिर पीएम का चेहरा कोई मायने नहीं रखेगा। अगर विपक्ष एकजुट होकर बीजेपी को सत्ता से बेदखल कर देता है, तो बाद में यह सब तय हो जाएगा। यह कोई बड़ा इशू कतई नहीं बनेगा। कांग्रेस सांसद के मुताबिक 1977, 1989, 1996 और 2004 में भी विपक्ष ने बिना किसी चेहरे के ही चुनाव लड़ा था। ऐसा ही इस बार भी होना चाहिए। कांग्रेस पार्टी की अगुवाई और राहुल गांधी को पीएम फेस बनाकर चुनाव लड़ने के सवाल पर प्रमोद तिवारी ने कहा कि फिलहाल यह न तो कोई शर्त है और न ही इसे विपक्ष की प्राथमिकता में होना चाहिए।

भारत जोड़ो यात्रा निकाल कर अच्छा काम कर रही है कांग्रेस : शिवपाल यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अखिलेश यादव के साथ संबंधों में आए सुधार के बाद शिवपाल सिंह यादव नए तेवर में दिखाई देने लगे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा निकालकर अच्छा काम किया है। उनके इस बयान की चर्चा होने लगी है। समाजवादी पार्टी भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होगी या नहीं, इस पर उन्होंने अपनी ओर से कुछ नहीं कहा है।

उन्होंने कहा है कि सपा प्रमुख का जो आदेश होगा, हम उसपर काम करेंगे। अपनी बात को स्पष्ट करते हुए कहा कि 2024 में पार्टी जो जिम्मेदारी सौंपेगी उसको निभाएंगे, सबको एक साथ लेकर प्रयास होगा कि बीजेपी को हराया जाए। शिवपाल ने इशारों ही इशारों में कहा कि हम सब समाजवादी आरक्षण बचाने के लिए सरकार के खिलाफ सड़कों पर संघर्ष करेंगे। आरक्षण के मसले पर सरकार ने जो आयोग अब बनाया है उसको पहले ही बना कर सही आरक्षण लागू करके समय से चुनाव कराना चाहिए था।

बड़ा सियासी संदेश दे गए बिहार नगर निगम के चुनावी नतीजे

» 17 सीटों में से छह में भाजपा समर्थित, छह में महागठबंधन की हुई जीत

आराध्य त्रिपाठी

पटना। बिहार की राजनीति में पिछले कुछ दिनों से लगातार कुछ न कुछ न हलचल देखने को मिल रही है। कभी शराब कांड को लेकर नीतीश सरकार विपक्ष समेत सबी के निशाने पर आ जाती है, तो कभी नीतीश के बयान बिहार की सियासत का पारा चढ़ा देते हैं। अब एक बार फिर बिहार की राजनीति में गर्माहट बढ़ी हुई है। हाल ही में राज्य में हुए 17 नगर निगम के चुनाव परिणामों ने प्रदेश की सियासत में एक नया संदेश देने का काम किया है। महापौर, उप महापौर और पार्षदों के चुनावी परिणाम महागठबंधन के लिए एक खास संदेश लेकर आए हैं। जिससे कहीं न कहीं महागठबंधन के माथे पर चिंताएं की लकीर उभरी हैं। नतीजों पर नजर डालें तो गया को छो?कर 16 शहरों में महिलाएं महापौर बनी हैं। वह भी तब, जब केवल सात सीटें ही महिलाओं के लिए आरक्षित थीं। मतलब इस बार नगर निकाय चुनाव में महिलाओं का डंका बजा है।

दरअसल, 17 में से छह नगर निगम में भारतीय जनता पार्टी समर्थित महापौर चुना गया है, जबकि सिर्फ छह पर ही महाठबंधन समर्थित प्रत्याशियों को जीत मिली है। समस्तीपुर से कांग्रेस समर्थित अनीता राम मेयर चुनी गईं हैं। चार अन्य पर निर्दलीय प्रत्याशियों ने परचम लहराया।

मेयर और डिप्टी मेयर के पदों पर हुई निर्दलियों की हुई बल्ले-बल्ले

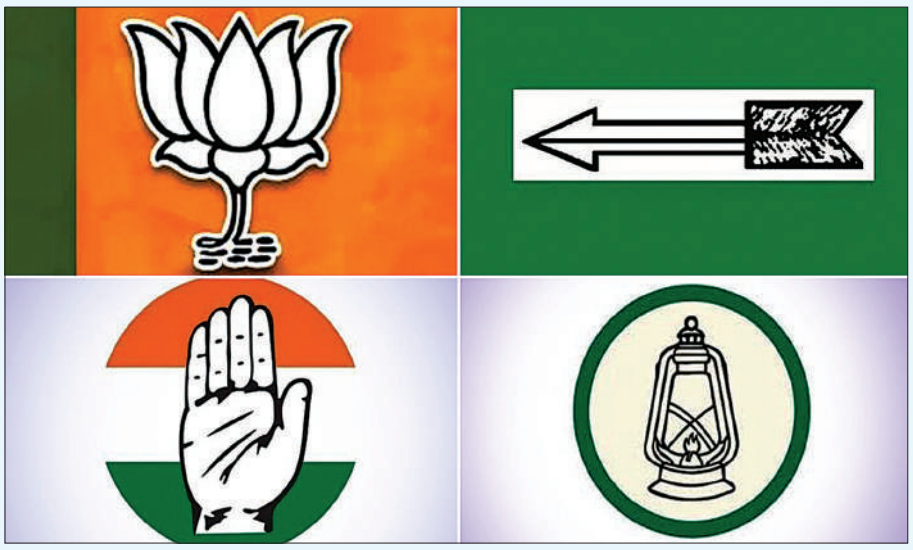

यह नतीजे बिहार की सियासत के लिए काफी अहम माने जा रहे हैं, क्योंकि तीन महीने पहले ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भाजपा के साथ गठबंधन तोड़कर महागठबंधन की सरकार बना ली थी। ऐसे में इन नतीजों को आगामी लोकसभा और फिर विधानसभा चुनाव के लिए एक बड़ा संदेश माना जा रहा है। हालांकि, इन नतीजों में महागठबंधन को न हार मिली न जीत, मुकाबला भाजपा से बराबरी पर छूट गया, लेकिन फिर भी कहीं न कहीं ये परिणाम महागठबंधन के लिए चिंताएं देकर गए हैं। क्योंकि भाजपा ने एक तरह से महागठबंधन को हराया भी है, क्योंकि सूबे के चार में से तीन बड़े नगर निगमों पर भगवा परचम लहरा चुका है। यह भाजपा की एक बड़ी सांकेतिक जीत है और महागठबंधन के लिए खतरे की घंटी। जानते हैं आखिर क्यों मिली इन चुनाव में महागठबंधन को मात।

जदयू की उम्मीदों को लगा जोरदार झटका

इन नतीजों के इसलिए भी काफी मायने हैं क्योंकि नीतीश कुमार खुद को 2024 में प्रधानमंत्री के रूप में भी देख रहे हैं। कहा तो ये भी जा रहा है कि राजद और जदयू में एक गठबंधन भी हुआ है। वो ये है कि नीतीश कुमार 2024 से पहले केंद्र की राजनीति में चले जाएंगे और बिहार की सत्ता तेजस्वी यादव को सौंप देंगे। ऐसे में पहले कुढ़नी उपचुनाव और अब नगर निकाय के चुनावों ने महागठबंधन को एक तरह से बैकफुट पर लाने का काम किया है। कुढ़नी और फिर नगर निकाय के नतीजे एक तरह से बिहार सरकार के लिए चेतावनी देने वाले हैं। राजद और जदयू ने काफी घोषणाएं कर रखी हैं, जिसे पूरा करने में समय लग रहा है। ऐसे में लोगों की नाराजगी बढ़ती जा रही है। इसका असर भी इन चुनावों में देखने को मिला। महागठबंधन ने पिछड़ी जातियों पर फोकस किया। भाजपा ने इसकी काट निकालने के लिए दलित और सवर्ण वोटर्स को एक साथ लाने की कोशिश शुरू कर दी है। इसके अलावा पिछड़े वोटर्स के बीच भी पार्टी ने सेंधमारी का फॉर्मूला तैयार कर लिया है। कुढ़नी के बाद नगर निकाय चुनावों में भी इसी फॉर्मूले के साथ भाजपा आगे बढ़ी। अब लोकसभा चुनाव में भी इसे मजबूत बनाने का काम होगा।

शराबकांड का परिणामों पर दिखा असर

इन नतीजों में शराब कांड का भी असर देखने को मिला। चुनाव से पहले रोजगार मांग रहे युवाओं पर बिहार की पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। सत्ता में आने से पहले तेजस्वी यादव हमेशा रोजगार की बात करते थे। जब सत्ता मिली तो युवाओं पर लाठीचार्ज हो गया। इसका गलत संदेश पूरे प्रदेश के युवाओं के बीच गया और नतीजे सबके सामने हैं। इसी तरह बिहार शराब कांड ने भी महागठबंधन को भारी नुकसान पहुंचाया। शराबकांड से ज्यादा नीतीश कुमार के बयान ने लोगों को चोट पहुंचाई। बिहार के तीन जिलों में जहरीली शराब पीने से 60 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी और मुख्यमंत्री ने बयान दिया था कि जो पीएगा, वो मरेगा। मरने वालों के लिए कोई सहानुभूति नहीं है।

आधार के इस्तेमाल को लेकर यूआईडीएआई की नागरिकों को सलाह

हर जगह कार्ड देना जरूरी नहीं

डिजिटल आईडी से करें सत्यापन

यूआईडीएआई ने कहा है कि आधार निवासियों की डिजिटल आईडी है और यह नागरिकों के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन पहचान सत्यापन के एकल स्रोत के रूप में काम करता है। निवासी इलेक्ट्रॉनिक रूप से या ऑफलाइन सत्यापन के माध्यम से अपनी पहचान प्रमाण-पत्रों को सत्यापित और मान्य करने के लिए अपने आधार नंबर का उपयोग कर सकते हैं। जहां भी कोई निवासी अपना आधार नंबर साझा नहीं करना चाहता है, यूआईडीएआई वर्चुअल पहचानकर्ता जनरेट करने की सुविधा प्रदान करता है। कोई भी आसानी से आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर या माय आधार पोर्टल के माध्यम से वीआईडी जेनरेट कर सकता है और आधार संख्या के स्थान पर प्रमाणीकरण के लिए इसका उपयोग कर सकता है।

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मोदी सरकार द्वारा आधार कार्ड को अनिवार्य करने के बाद से ही आधार कार्ड के इस्तेमाल को लेकर लोगों में भ्रम की स्थिति बनी हुई है। सरकार द्वारा आधार कार्ड सबसे जरूरी व अहम डॉक्यूमेंट बना दिया है। इसके बाद बैंक से लेकर पैन कार्ड, राशन कार्ड और यहां तक की वोटर कार्ड को भी आधार से लिंक करने के आदेश दे दिए हैं।

ऐसे में अब लोग कहीं भी आधार कार्ड का इस्तेमाल कर रहे हैं। जबकि कहीं न कहीं ये उनके लिए काफी खतरनाक भी साबित हो सकता है। क्योंकि हमारे अधिकतर जरूरी कागजात अब आधार से लिंक हैं। इसी को लेकर अब भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने देश के सभी नागरिकों आधार कार्ड के इस्तेमाल को लेकर अहम सलाह दी है। यूआईडीएआई ने लोगों से कहा कि वे विभिन्न सेवाओं का लाभ उठाने के लिए समझदारी से आधार कार्ड का उपयोग करें और उसी स्तर की सावधानी बरतें जो अन्य किसी अहम पहचान प्रमाण पत्र को शेयर करते समय बरती जाती है। यूआईडीएआई ने एक बयान में कहा है कि किसी भी विश्वसनीय संस्था के साथ आधार नंबर या कार्ड शेयर करते समय, उसी स्तर की सावधानी बरती जा सकती है, जो मोबाइल नंबर, बैंक खाता संख्या या पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र, पैन, राशन कार्ड, आदि जैसे किसी अन्य दस्तावेज को साझा करते समय करते हैं। यूआईडीएआई ने कहा है कि आधार' का इस्तेमाल करते वक्त पूरी होशियारी बरतनी चाहिए। यहां तक कि बैंक खाता, पैन या पासपोर्ट जैसे दूसरे पहचान निर्धारण दस्तावेजों की तरह आधार के इस्तेमाल में भी उतनी ही सजगता और गोपनीयता बरतने की सलाह दी गई है। यूजर यूआईडीएआई की वेबसाइट या एम-आधार ऐप पर पिछले छह महीनों के लिए आधार प्रमाणीकरण इतिहास की जांच कर सकते हैं। साथ ही, यूआईडीएआई ईमेल पर हर प्रमाणीकरण के बारे में सूचित करता है।

बायोमेट्रिक लॉकिंग का भी विकल्प

यूआईडीएआई आधार लॉकिंग के साथ-साथ बायोमेट्रिक लॉकिंग की सुविधा भी प्रदान करता है। यदि किसी निवासी के कुछ समय के लिए आधार का उपयोग करने की संभावना नहीं है, तो वह ऐसी समयावधि के लिए आधार या बायोमेट्रिक्स को लॉक कर सकता है। आवश्यकता पड़ने पर इसे आसानी से और तुरंत अनलॉक किया जा सकता है। यूआईडीएआई आधार संख्या धारक को सुरक्षित, सुचारू और त्वरित प्रमाणीकरण अनुभव सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी रूप से उन्नत पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करता है। बता दें कि कई सरकारी और अन्य जरूरी कामों में आधार कार्ड के बढ़ते इस्तेमाल को लेकर यूआईडीएआई पहले भी लोगों को सही और समझदारी से इसके उपयोग की सलाह दे चुका है। इससे पहले यूआईडीएआई ने कहा था कि पहचान प्रमाण पत्र के तौर पर दिए गए किसी भी आधार कार्ड, ई-आधार, आधार पीवीसी कार्ड और एम-आधार की वास्तविकता स्थापित करने के लिए व्यक्ति को आधार संख्या को सत्यापित करना होगा। क्योंकि यूआईडीएआई इस रुख पर जोर देता है कि कोई भी 12-अंकीय संख्या आधार नहीं है।

सोशल मीडिया पर न करें शेयर

आधार कार्ड जारी करने वाली निकाय यूआईडीएआई ने कहा है कि देश के नागरिकों को अपना आधार कार्ड या उसकी प्रतियों को इधर-उधर कभी नहीं छोड़ना चाहिए। इसके अलावा उन्हें सोशल मीडिया और अन्य सार्वजनिक मंचों पर भी शेयर करने से परहेज करना चाहिए। प्राधिकरण ने कहा है कि आधार नंबर का इस्तेमाल करने पर मोबाइल फोन पर आने वाले आधार-ओटीपी की जानकारी भी किसी अनधिकृत व्यक्ति, संस्था या संगठन को नहीं देनी चाहिए। इसके अलावा उन्हें एम-आधार का पिन नंबर भी दूसरों को नहीं बताना चाहिए।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कलाकार हार रहे जीवन की जंग

पिछले कुछ सालों में सुशांत सिंह राजपूत, वैशाली ठक्कर, आसिफ बसरा और कुशल पंजाबी से लेकर परीक्षा मेहता जैसे अनेक कलाकारों ने कम समय में ही बालीवुड या टेलीविजन में अभिनय की दुनिया में अपनी अच्छी पहचान बनाई थी, लेकिन अचानक उनके आत्महत्या कर लेने की खबरें आईं। निश्चित रूप से खुदकुशी सबसे तकलीफदेह हालात के सामने हार जाने का नतीजा होती है और ऐसा फैसला करने वालों के भीतर उपजे तनाव, दबाव और दु:ख का अंदाजा लगा पाना दूसरों के लिए मुमकिन नहीं है।

टेलीविजन के पर्दे पर एक सशक्त किरदार के तौर पर जिंदगी के लिए संघर्ष का संदेश देने वाले लोग ही जब व्यक्तिगत मोर्चे पर हार कर खुदकुशी कर लेते हैं। तो उससे केवल उस व्यक्ति के मनोबल की कमजोरी जाहिर नहीं होती। वह एक समाज या समुदाय की बहुस्तरीय नाकामी का उदाहरण होता है। मुंबई का फिल्म और टीवी उद्योग पिछले कई सालों से इस समस्या से दो-चार है कि सिनेमा में हंसता-खेलता और सार्वजनिक जीवन में लोगों का पसंदीदा बन गया कलाकार किसी दिन अचानक खुदकुशी कर लेता है। पर सवाल है कि साधारण लोगों की दुनिया के मुकाबले संगठित रूप से काम करने वाले फिल्म या टीवी धारावाहिकों के उद्योग ने इतने सालों के सफर के बावजूद ऐसा तंत्र विकसित क्यों नहीं किया है, जिसमें बेहद मुश्किल हालात का सामना करता कोई कलाकार अपने लिए जिंदगी की उम्मीद देख पाए ? यह मसला एक बार फिर चिंता का केंद्र इसलिए बना है कि पिछले हफ्ते टीवी धारावाहिकों की अभिनेत्री तुनिशा शर्मा काम की जगह पर ही फंदे से लटकी मिली। सिर्फ 21 साल की उम्र में उसकी इस तरह मौत किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को परेशान करने वाली है। अभी उसके सामने लंबी जिंदगी, मौके और खुला आसमान था, जहां वह भविष्य की ऊंची उड़ान भर सकती थी। मगर आखिर क्या ऐसा हुआ, जिसका हल उसे अपनी जान देने में ही नजर आया! पर वे कौन-सी और कैसी असामान्य परिस्थितियां सामने आईं कि अभिनेत्री ने उनसे बचने या टकराने के बजाय जिंदगी की हार का रास्ता चुन लिया ?

दरअसल, पिछले कुछ सालों में सुशांत सिंह राजपूत, वैशाली ठक्कर, आसिफ बसरा और कुशल पंजाबी से लेकर परीक्षा मेहता जैसे अनेक कलाकारों ने कम समय में ही बालीवुड या टेलीविजन में अभिनय की दुनिया में अपनी अच्छी पहचान बनाई थी, लेकिन अचानक उनके आत्महत्या कर लेने की खबरें आईं। निश्चित रूप से खुदकुशी सबसे तकलीफदेह हालात के सामने हार जाने का नतीजा होती है और ऐसा फैसला करने वालों के भीतर उपजे तनाव, दबाव और दु:ख का अंदाजा लगा पाना दूसरों के लिए मुमकिन नहीं है। ऐसे में सवाल यही रह जाता है कि आमतौर पर सभी सुविधाओं से लैस, अपने आसपास कई स्तर पर समर्थ लोगों की दुनिया में सार्वजनिक रूप से अक्सर मजबूत दिखने के बावजूद कोई व्यक्ति भीतर से इतना कमजोर क्यों हो जाता है कि जिंदगी के उतार-चढ़ाव या झटकों को बर्दाश्त नहीं कर पाता? जाहिर है, सामाजिक प्रशिक्षण के अलावा सामुदायिक स्तर पर एक ऐसे ठोस तंत्र को विकसित करने की जरूरत है, जहां अपने सबसे मुश्किल हालात में पड़ा कोई व्यक्ति बिना किसी बाधा के अपने लिए संवेदनात्मक जगह महसूस कर सके और एक बार फिर से जीवन की सही पटरी पर लौट सके।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आतंकवाद पर पश्चिम के दोहरे मानदंड

विवेक काटजू

पिछले दिनों भारत की पहल पर आतंकवाद को लेकर बुलाई गई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में अमेरिका के विदेश मामलों की उप-विदेश मंत्री विक्टोरिया नूलैंड ने कहा, 'पिछले साल विश्वभर में लगभग 65 देशों को 8000 से ज्यादा आतंकी घटनाओं का सामना करना पड़ा है, जिनमें 23000 से अधिक लोग मारे गए।' परेशान करने वाला उक्त आंकड़ा आज के वक्त की तल्ख हकीकत है और चूंकि भारत खुद पिछले तीन दशकों से सीमा-पारीय आतंकवाद से पीड़ित है इसलिए यह एकदम स्वाभाविक था कि संयुक्त राष्ट्रपरिषद की अपनी दो-वर्षीय अध्यक्षता, जो कि इस माह के अंत में खत्म हो जाएगी, आतंकवाद-रोध को महत्वपूर्ण विषयवस्तु बनाता।

आतंकवाद-रोध का महत्व भारत के लिए कितना है, इसका पता इससे चलता है कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर बैठक की अध्यक्षता करने स्वयं न्यूयॉर्क पहुंचे, जिसकी विषयवस्तु थी, 'अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा को आतंकवादी हमलों से खतरा'। उन्होंने सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों के उच्चस्तरीय प्रतिनिधियों को इस बैठक में आने का निमंत्रण दिया। जाहिर है इसके लिए अपने समकक्षों को आमंत्रण भेजा होगा। आयरलैंड से प्रतिनिधि के तौर पर विदेशमंत्री शामिल हुए, लेकिन ब्रिटेन समेत अन्य सदस्य देशों की ओर से कनिष्ठ मंत्री या वरिष्ठ अफसर स्तर के प्रतिनिधि ही आए। जयशंकर के आमंत्रण को मिली इस ठंडी प्रतिक्रिया के पीछे संकेत था कि भले ही तमाम मुख्य शक्तियां आतंकवाद निर्मूलन को महत्व देती हैं लेकिन अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा पर उनकी बड़ी चिंताएं और ध्यान अब अन्य मुद्दों की तरफ है। नतीजतन, इन शक्तियों के सुरक्षा संबंधी गणित में आतंकवाद की अहमियत अब उतनी नहीं रही। अपने संबोधन में जयशंकर ने कहा 'आतंकवाद अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के अस्तित्व के लिए एक खतरा है। यह सीमाओं, राष्ट्रीयता या कौम से बंधा हुआ नहीं है और एक ऐसी चुनौती है जिससे लड़ने के लिए सारी अतर्राष्ट्रीय बिरादरी का इकट्ठा होना जरूरी है।'

परंतु, अफसोस कि परिषद द्वारा जारी अध्यक्षीय वक्तव्य, जिसकी प्रक्रिया भारत द्वारा 29 नवम्बर को शुरू की गई थी (और जिसकी राह आसान नहीं रही), में ऐसे अवयव डाले गए जो भारत की नीति पर किंतु-परंतु

दर्शाते हैं और इन दिनों आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई को नियंत्रित कर रहे हैं। आतंकवाद को बड़ा खतरा मानने के महत्व को किस तरह कमतर किया गया इसका एक स्पष्ट उदाहरण जारी हुए अध्यक्षीय वक्तव्य में मिलता है, इसमें जयशंकर के इस कथन को यथावत रखना कि 'आतंकवाद अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के अस्तित्व के लिए एक खतरा है', इसकी बजाय यह लिखा गया 'आतंकवाद अतंर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा को दरपेश गंभीर खतरों में एक है।' साथ ही, जहां जयशंकर आतंकवाद से इकट्ठा होकर लड़ने के लिए वैश्विक बिरादरी का आह्वान करते हैं, वहीं दुखद सच्चाई यह है कि सभी देश इस पर अलग-अलग रुख अपनाए हुए हैं। एक वैचारिक स्तर पर भारत ने कभी भी आतंकवाद के मूल कारणों की तह में जाना नहीं चाहा क्योंकि यकीन था कि यह ऐसी रपटीली ढलान है जो आतंकवाद को न्यायोचित ठहराने की ओर ले जाएगी। साफ है ज्यादा से ज्यादा देशों की सहानुभूति 'मूल कारण' के निदान से जोड़ने की जरूरत पर दिखाई दे रही है। यह बात आयरिश विदेशमंत्री सायमन कॉवेंट्री के वक्तव्य में झलकती है : 'आतंकवाद से निपटने का सबसे प्रभावशाली तरीका सर्वप्रथम रोकथाम करने में है...हम जानते हैं कि टकराव, गरीबी, असमानता, घटिया प्रशासन और मानवाधिकार हनन से पीड़ित समाजों में कट्टरवाद की ओर झुकाव होने और (आतंकवादी गुटों में) भरती के मौके ज्यादा बनते हैं।' परिषद द्वारा जारी अध्यक्षीय भाषण इस 'अखाड़े' में सीधा नहीं उतर रहा बल्कि इसका ज्यादा जोर मानवीय कानूनों का पालन और 'सरकार एवं जुड़ा हुआ समाज' वाला रुख अपनाने की जरूरत पर है।

इसलिए, अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को यकीन है कि आतंकवाद को अकेले ताकत के बल पर खत्म नहीं किया जा सकता, इस चुनौती से निपटने को मानवाधिकार और न्याय एवं आर्थिक-सामाजिक से जुड़े विषयों को ध्यान में रखना जरूरी है। भारत के लिए यहां गौर करना व्यावहारिक होगा कि आतंकवाद को लेकर अंतर्राष्ट्रीय सोच में पिछले दो दशकों में कैसा बदलाव आया है। सुखद है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद को मुहैया होने वाला धन, हथियार और मुक्त आवागमन को रोकने की जरूरत पर बल अभी भी इस अध्यक्षीय भाषण का हिस्सा है।

चीन की अनदेखी कर ताइवान से आर्थिक रिश्ते

जी. पार्थसारथी

हाल ही में चीन के साथ पूरबी सीमा पर तनाव पुन: भड़क उठा, जब अरुणाचल प्रदेश में मैकमोहन सीमारेखा के ठीक दक्षिण में स्थित सामरिक महत्व के मॉनेस्ट्री शहर के पास चीनी सैनिकों ने अपनी गतिविधियां दिखाईं। वर्ष 1962 के युद्ध में त्वांग पर चीनी सेना ने कब्जा कर लिया था, परंतु युद्ध-विराम उपरांत वापस लौट गई। पहले त्वांग को लेकर चीन के रुख को एक तरह से सीमारेखा की अनाधिकारिक स्वीकारोक्ति माना जाता था और यह भारत-चीन सीमा की निशानदेही करती रही। लेकिन आगे का घटनाक्रम, जैसे कि 1986 में तवांग जिले से लगती सुमदोरोंग-चू घाटी में चीनी घुसपैठ ने साफ संकेत कर दिया कि चीन यथास्थिति को चुनौती देने को तैयार है। लद्दाख में मौजूदा तनाव त्वांग के साथ लगते क्षेत्र में है।

चीन के साथ संबंध सुधरने की कभी पहले रही आस राष्ट्रपति शी जिनपिंग के राष्ट्रपति बनने से बाद से बिखरने लगी थी और यह स्थिति 2014 में नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जिनपिंग को दिए गर्मजोशी पूर्ण स्वागत के बावजूद बनी। अब भारत को अरुणाचल प्रदेश में चीनी घुसपैठ का सामना करना पड़ रहा है। लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश की घटनाओं से भारतभर में शी जिनपिंग की नीयत को लेकर अविश्वास है। गौरतलब है कि शी जिनपिंग द्वारा राष्ट्रपति का पदभार संभालने से पहले वाले सालों में, 1 अप्रैल, 2005 को 'सीमा विवाद हल एकमुश्त समझौता' यानी 'पैकेज सेटलमेंट' के दिशा-निर्देश सिद्धांतों पर सहमति बन गई थी। इसमें कहा गया था 'परस्पर सम्मान और समझ की भावना के तहत दोनों पक्ष सीमारेखा पर अपनी-अपनी मौजूदा स्थितियों में लेन-देन करने को राजी हैं ताकि इलाकाई विवाद सदा के लिए खत्म हो सके। इसके लिए सीमारेखा की निशानदेही सुस्पष्ट और आसानी से पहचाने जा सकने वाले प्राकृतिक और भौगोलिक चिन्हों द्वारा की जाएगी, जो दोनों पक्षों को मंजूर हो।' शी जिनपिंग के नेतृत्व वाले वर्तमान चीन से बरतते वक्त यह बात ज़हन में रखनी होगी कि अपने विरोधियों से व्यवहार में वे प्रतिरोधी और विषैला रुख रखते हैं, चाहे वह अंदरूनी हो या बाहरी। चीन की स्वघोषित सागरीय सीमारेखा रक्षा नीति में नियंत्रण पाने को बल प्रयोग करना एक अवयव है।

हालांकि दुनिया को ज्यादा झटका जिनपिंग के उस तरीके से लगा जब 22 अक्टूबर को चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के अधिवेशन के दौरान उन्होंने अपने पूर्ववर्ती हू जिन्ताओ का सार्वजनिक तिरस्कार करवाया। जिस वक्त सुरक्षा कर्मी हू जिन्ताओ को बैठक से बलपूर्वक हटा रहे थे, शी जिनपिंग अपने पूर्ववर्ती की यह बेइज्जती चुपचाप देखते रहे। इस बीच, सुधारवाद के पक्षधर प्रधानमंत्री ली किकियांग को कार्यकाल पूरा होने के बाद बदल दिया गया है और उनकी जगह जिनपिंग के चाटुकार ली किंयाग ने ली है। भारत के विषय में, लगता है शी जिनपिंग अपनी मौजूदा नीति आगे भी जारी रखेंगे और लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में टुकड़ों-टुकड़ों में इलाका कब्जाने वाली चीनी रणनीति भी शायद जारी रहे। हालांकि भारत ने पिछले दो दशकों में चीनी सीमा पर अपने सड़क तंत्र में विस्तार के लिए बड़े स्तर पर यत्न किए हैं, फिर भी सीमांत क्षेत्र में सड़क और संपर्क मामले पर बहुत कुछ करना बाकी है। ज्यादा अहम यह है कि क्या अगले साल भारत की मेजबानी में जी-20 के शिखर सम्मेलन में शी जिनपिंग भाग लेने आएंगे या नहीं।

जैसा कि सबको पता है, भारत लंबे अरसे से ताइवान के साथ प्रगाढ़ व्यापारिक संबंध स्थापित करने को लेकर बिना बात अति-सतर्कता बरतता आया है। पिछले दो दशकों में साफ दिखा है कि यदि भारत को आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स औद्योगिक उत्पादन की धुरी बनना है तो जापान और दक्षिण कोरिया जैसी इलेक्ट्रॉनिक्स शक्ति बनने की सख्त जरूरत है। इसके लिए जरूरी है कि इनकी तरह भारत में भी इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग का विश्वसनीय आधारभूत ढांचा हो ताकि सेमीकंडक्टर और कम्प्यूटर चिप्स जैसे महत्वपूर्ण पुर्जों की डिजाइनिंग, विकास और उत्पादन यहां हो सके। अब मोदी सरकार ने तय किया है कि ताइवान के सहयोग से भारत अपना आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग स्थापित करेगा और इस सहयोग पर चीन की प्रतिक्रिया और रोक-टोक की परवाह नहीं करनी है। ताइवान के साथ बड़े स्तर पर औद्योगिक सहयोग बनाने पर चीन का कोपभाजन बनने के विगत भय को तजकर भारत ने अब औपचारिक रूप से घोषणा कर दी है कि वेदांता उद्योग समूह जल्द ही गुजरात में महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाई का नींव पत्थर रखने जा रहा है।

ताइवान की विशालकाय टेलीकॉम कंपनी फॉक्सकॉन की भागीदारी वाली इस परियोजना में 20 बिलियन डॉलर का आरंभिक निवेश होना है और संकेतों के अनुसार शीघ्र इसमें निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा और उत्पादन 2024 तक। इससे भारत भर में इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग का विस्तार होने की राह खुलेगी। फिलहाल महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में विशेष इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग कलस्टर बनाए जाने की बात है। जाहिर है यह इलेक्ट्रॉनिक्स क्षमता भारत के विशाल आईटी उद्योग के लिए और फायदेमंद होगी। यह भारत सरकार को देखना है कि कि इलेक्ट्रानिक्स उद्योग का विस्तार देशभर में हो सके। यहां गौरतलब है कि भू-राजनीतिक रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के विकास में चीन दुनिया का पसंदीदा गंतव्य स्थल और विशेष भागीदार पहले जितना नहीं रहा।

थायराइड मरीजों के लिए टॉनिक है हर्बल चाय

थायराइड एक गंभीर और तेजी से बढ़ती बीमारी है। वास्तव में गले में तितली के आकार की छोटी ग्रंथि होती है जिसे थायराइड ग्लैंड कहा जाता है। इसका काम थायराइड नामका हार्मोन बनाना है। यह हार्मोन शरीर के बेहतर कामकाज के लिए जरूरी है। जब यह ग्रंथि सही काम नहीं करती है, तो थायराइड हार्मोन या तो ज्यादा बनने लगता है या कम और इसी को थायराइड रोग कहा जाता है। थायराइड के लक्षण क्या हैं? ज्यादा थायराइड बनने से आपको आपका दिल की धड़कन बढ़ना और वजन कम हो सकता है जबकि कम बनने से आप थकान और वजन बढ़ना जैसे लक्षण महसूस कर सकते हैं। थायराइड का इलाज क्या है? थायराइड के लिए मेडिकल में कई तरह इलाज और दवाएं उपलब्ध हैं। वास्तव में स्वस्थ जीवन के लिए थायराइड को कंट्रोल रखना जरूरी है। ऐसा माना जाता है कि कुछ खाद्य पदार्थ इसे कंट्रोल रखने में मदद कर सकते हैं।

चाय या कॉफी पीने की छोड़ें आदत

थायराइड, आंत या हार्मोनल समस्या होने पर कैफीन को बंद करना सबसे अच्छा है, लेकिन अगर आप इसे तुरंत बंद नहीं कर सकते हैं - तो आप अपनी चाय/कॉफी में आधा चम्मच देसी घी या 1 चम्मच नारियल का तेल मिला सकते हैं, इससे आपके पेट को होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है।

हर्बल चाय से करें दिन की शुरुआत

आप अपने दिन की शुरुआत कैफीन वाली चाय/कॉफी के बजाय हर्बल चाय के साथ करें। क्योंकि सुबह सबसे पहले कैफीन लेने से पहले से ही सूजन वाली थायरॉयड ग्रंथि में अधिक सूजन हो जाती है। यह आपके आंत के अस्तर को परेशान करता है और आपके थायरॉयड उपचार में देरी करता है। यह आपके चयापचय, हार्मोन और प्रजनन क्षमता को भी प्रभावित करता है।

थायरॉइड को बेहतर बनाने के अलावा हर्बल चाय के फायदे

इम्युनिटी बढ़ाने में मददगार

स्वस्थ रहने के लिए किसी के भी शरीर की रोग प्रतिरोधक प्रणाली का मजबूत होना बहुत जरूरी है, क्योंकि मजबूत इम्यूनिटी रोगों से लड़ने में मदद करती है। यहां हर्बल टी के लाभ देखे जा सकते हैं। दरअसल, एनसीबीआई की एक वेबसाइट पर प्रकाशित एक शोध में साफ तौर से जिक्र मिलता है कि कैमोमाइल चाय का सेवन रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में सहयोग कर सकता है और साथ ही सर्दी-जुकाम से जुड़े संक्रमण से बचाव में मदद कर सकता है (2)। इस आधार पर हम इम्यूनिटी के लिए हर्बल टी को लाभकारी मान सकते हैं।

वजन नियंत्रण में सहायक

वजन पर काबू रखने में हर्बल टी कारगर साबित हो सकती हैं। यही वजह है की कई लोग वजन को नियंत्रित रखने के लिए और मोटापे से बचाव के लिए हर्बल टी पीना पसंद करते हैं। दरअसल, एक शोध में वजन नियंत्रण में कारगर उन सामग्रियों का जिक्र किया गया है, जिनका इस्तेमाल कर हर्बल टी बनाई जाती है। इनमें अदरक, दालचीनी, नींबू, जिनसेंग व लौंग शामिल हैं (12)। ऐसे में हम कह सकते हैं कि हर्बल टी का सेवन मोटापे से बचाव में मददगार साबित हो सकता है।

पाचन-तंत्र सुधारे

पाचन तंत्र में सुधार करने में भी हर्बल टी के लाभ देखे जा सकते हैं। दरअसल, एक वैज्ञानिक अध्ययन में साफ तौर से जिक्र मिलता है कि कैमोमाइल में पाचन तंत्र को आराम देने वाला प्रभाव पाया जाता है। इसके अलावा, यह पाचन को सुधारने के साथ-साथ दस्त, मतली, उल्टी व गैस आदि में भी राहत देने का काम कर सकती है।

हंसना मना है

कुछ दोस्त ऐसे हैं जो घर से बीवी की लात खाकर आते हैं और। दोस्तों से कहते फिरते हैं, आज तो मैं लेग पीस खाकर आया हूं।

डेट पर लड़के ने लड़की से कहा, जानू, एक बात कहना चाहता हूं! लड़की: क्या? लड़का: मेरी पहले से एक गर्लफ्रेंड है! लड़की: डरा दिया साले, मुझे लगा कि पैसा नहीं है!

पति: अरे सुनो, मुन्ना रो रहा है चुप कराओ इसे। पत्नी (गुस्से में): मैं काम करूं या बच्चे संभालू, मैं इसे दहेज में नहीं लाई थी, खुद ही चुप करा लो। पति: फिर रोने दे। मैं कौन सा इसे बारात में लेकर गया था।

शादीशुदा महिला: पंडितजी, मेरे पति हमेशा मुझसे लड़ते रहते हैं। घर की सुख-शांति के लिए कौन-सा व्रत रखूं? पंडितजी: मौन व्रत रखो बेटा, सब बढ़िया होगा!

एक पार्टी में एक सुन्दर सी लड़की एक लड़के के पास गई, लड़की: सुनिए, मेरे एक हाथ में गिलास और दूसरे में प्लेट है, आप मेरे चेहरे से एक चीज़ हटा देंगे! लड़का: हां हां क्यों नहीं, क्या चीज हटानी है? लड़की: अपनी कुत्ते जैसी नजर!

कहानी — ऊंट की गर्दन

बीरबल की सूझबूझ और हाजिर जवाबी से बादशाह अकबर बहुत रहते थे। बीरबल किसी भी समस्या का हल चुटकियों में निकाल देते थे। एक दिन बीरबल की चतुराई से खुश होकर बादशाह अकबर ने उन्हें इनाम देने की घोषणा कर दी। काफी समय बीत गया और बादशाह इस घोषणा के बारे में भूल गए। उधर बीरबल इनाम के इंतजार में कब से बैठे थे। बीरबल इस उलझन में थे कि वो बादशाह अकबर को इनाम की बात कैसे याद दिलाएं। एक शाम बादशाह अकबर यमुना नदी के किनारे सैर का आनंद उठा रहे थे कि उन्हें वहां एक ऊंट घूमता हुआ दिखाई दिया। ऊंट की गर्दन देख राजा ने बीरबल से पूछा, बीरबल, क्या तुम जानते हो कि ऊंट की गर्दन मुड़ी हुई क्यों होती है? बादशाह अकबर का सवाल सुनते ही बीरबल को उन्हें इनाम की बात याद दिलाने का मौका मिल गया। बीरबल से झट से उत्तर दिया, महाराज, दरअसल यह ऊंट किसी से किया हुआ अपना वादा भूल गया था, तब से इसकी गर्दन ऐसी ही है। बीरबल ने आगे कहा, लोगों का यह मानना है कि जो भी व्यक्ति अपना किया हुआ वादा भूल जाता है, उसकी गर्दन इसी तरह मुड़ जाती है। बीरबल की बात सुनकर बादशाह हैरान हो गए और उन्हें बीरबल से किया हुआ अपना वादा याद आ गया। उन्होंने बीरबल से जल्दी महल चलने को कहा। महल पहुंचते ही बादशाह अकबर ने बीरबल को इनाम दिया और उससे पूछा, मेरी गर्दन ऊंट की तरह तो नहीं हो जाएगी न बीरबल ने मुस्कुराकर जवाब दिया, नहीं महाराज। यह सुनकर बादशाह और बीरबल दोनों ठहाके लगाकर हंस दिए। इस तरह बीरबल ने बादशाह अकबर को नाराज किए बगैर उन्हें अपना किया हुआ वादा याद दिलाया और अपना इनाम लिया।

6 अंतर खोजें

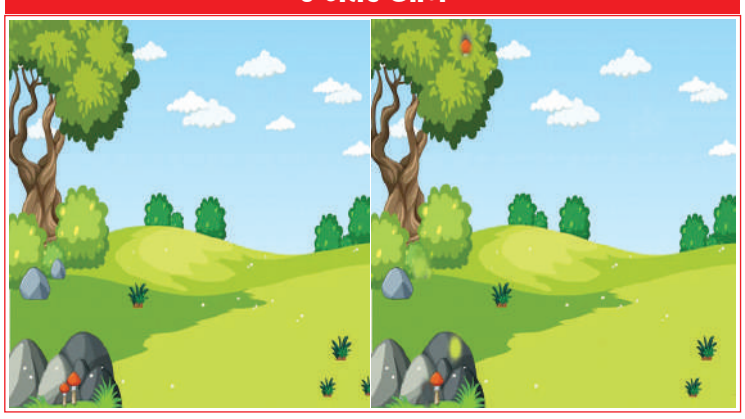

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आपमें से जो दफ्तर में ओवरटाइम कर रहे थे और ऊर्जा की कमी से जूझ रहे थे, आज उन्हें फिर वैसी ही समस्याओं से दो-चार होना पड़ सकता है।

वृषभ किसी पुराने दोस्त से मुलाकात आपका मन खुश कर देगी। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है। आज प्यार की कमी महसूस हो सकती है।

मिथुन खुद को ज्यादा आशावादी बनने के लिए प्रेरित करें। इससे न सिर्फ़ आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और व्यवहार लचीला होगा। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे।

कर्क खेलों और आउटडोर गतिविधियों में भागीदारी आपकी खोयी ऊर्जा को फिर से इकट्ठा करने में आपकी मदद करेगी। आज के दिन घटनाएं अच्छी तो होंगी, लेकिन तनाव भी देंगी।

सिंह दिन फायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफी आराम महसूस करेंगे। दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयां हल हो जाएंगी।

कन्या कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है- जो काम में आपकी एकाग्रता को भंग करेगा।

तुला बेहतर जिन्दगी के लिए अपनी सेहत और व्यक्तित्व में सुधार लाएं। बिना किसी की सलाह के आज ऐसा कोई भी काम न करें जिससे आपको आर्थिक हानि हो।

वृश्चिक अवांछित विचार दिमाग में छा सकते हैं। खुद को शारीरिक व्यायाम का मजा लेने दें, क्योंकि खाली दिमाग शैतान का घर होता है। दीर्घावधि निवेश से बचिए।

धनु गाड़ी चलाते समय सावधान रहें। जो लोग अब तक पैसे को बिना वजह ही उड़ा रहे थे आज उन्हें अपने आप पर काबू रखना चाहिए और धन की बचत करनी चाहिए।

मकर कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। हिम्मत न हारें और इच्छित फल पाने के लिए कड़ी मेहनत करें। इन नाकामियों को तरक्की का आधार बनाएं।

कुम्भ अपने ऊंचे आत्मविश्वास का आज सही इस्तेमाल करें। भागदौड़ के बावजूद आप फिर ऊर्जा और ताजगी पाने में कामयाब रहेंगे। खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है।

मीन सेहत को लेकर ज्यादा देखभाल की जरूरत है। कार्यक्षेत्र में या करोबार में आपकी कोई लापरवाही आज आपको आर्थिक नुक्सान करा सकती है।

जर्मनी में चला पठान का जादू

बॉलीवुड | मसाला

सुपरस्टार शाहरुख खान की फिल्म पठान अपने सॉन्ग बेशर्म रंग में भगवा बिकिनी के कारण लगातार विवादों में बनी हुई है। जहां एक ओर देशभर के कई हिस्सों में इस फिल्म को बैन किए जाने तक की मांग उठने लगी है, वहीं, दुनियाभर में मौजूद शाहरुख खान के फैंस उनकी इस फिल्म के लिए बेहद उत्साहित हैं। इन सब विवादों के बीच अब फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है, जो इतनी दमदार है कि इसे देखकर मेकर्स खुशी से झूम उठेंगे।

फिल्म की रिलीज में अब भी करीब एक महीने का वक्त बचा है। हालांकि, फिल्म की एडवांस टिकट बुकिंग ओपन हो गई है। शाहरुख की इस फिल्म को लेकर विदेशों में भी लोग काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं, इसका अंदाज फिल्म की एडवांस बुकिंग की रिपोर्ट को देखकर ही लगाया जा सकता है। बीते गुरुवार, यानी 28 दिसंबर को जर्मनी में पठान की एडवांस बुकिंग शुरू की गई और इसी के साथ सारे टिकट्स भई बिक गए। ऐसे में एक बात को साफ है कि शाहरुख की वापसी के लिए उनके चाहने वाले बेहद उत्साहित हैं।

जर्मनी के मल्टीप्लेक्स चेन सिनेमैक्सएक्स की वेबसाइट के मुताबिक, बर्लिन, हार्बर्ग, एसेन, म्यूनिख, हनोवर और ऑफेनबैक में 7 थिएटर्स पठान के लिए हाउसफुल हो चुके हैं। अब अगर दुनियाभर में शाहरुख की फिल्म के लिए ऐसी ही दीवानगी देखने को मिलती रही तो, पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर पठान का कारोबार उम्मीद से कई ज्यादा दिखाई दे सकता है।गौरतलब है कि सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी फिल्म पठान दुनियाभर में 25 जनवरी, 2023 को रिलीज होने वाली है। फिल्म में किंग खान एक रॉ एजेंट की भूमिका निभाते हुए दिखेंगे। इसमें उनके साथ दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम भी लीड रोल में दिखाई देंगे।

जैसलमेर में गूंजेगी सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की शहनाई!

बॉलीवुड में शादियों का सीजन चल रहा है। जहां 2022 में कई घरों में किलकारियां गूंजी और कई नए नाम शादी के बंधन में बंधे। वहीं 2023 में शेरशाह के इस क्यूट कपल का नाम हमेशा के लिए एक साथ जुड़ने वाला है। ऐसे में सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी के शादी की डेट सामने आ गई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सिद्धार्थ और कियारा 6 फरवरी को शादी करने वाले हैं। प्री वेडिंग फंक्शन 4 और 5 फरवरी को धूमधाम से सेलिब्रेट किए जाएंगे। मेहंदी, हल्दी और संगीत में परिवार के लोग और दोस्त मौजूद रहेंगे। शादी की सारी रस्में 6 फरवरी को पूरी होंगी।

सिद्धार्थ और कियारा की शादी किसी राजा-महाराजा की शादी से कम नहीं होगी। ऐसे में अपनी शादी के लिए दोनों ने जैसलमेर का एख पैलेस फिक्स किया है। सभी इवेंट्स काफी ग्रैंड होंगे। शादी को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएंगे।

कियारा और सिद्धार्थ की लव स्टोरी शेरशाह के सेट से शुरू हुई लेकिन दोनों काफी पहले से एक दूसरे को जानते हैं। कॉफी विद करण के सीजन 7 से दोनों की शादी और रिलेशनशिप के हिंट्स मिले। ऐसे में दोनों को मनीष मल्होत्रा के साथ भी कई बार स्पॉट किया गया है।

बॉलीवुड | मन की बात

फाइटर पंत के साथ देश की दुआएं : अनुपम खेर

30 दिसंबर का दिन ऋषभ पंत की जिंदगी का सबसे भारी दिन रहा। शुक्रवार सुबह इंडियन क्रिकेटर ऋषभ पंत की गाड़ी का खतरनाक एक्सीडेंट हुआ। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। हालांकि, अभी उनकी हालत ठीक है। बॉलीवुड स्टार अनिल कपूर और अनुपम खेर, ऋषभ पंत से मिलने हॉस्पिटल पहुंचे। दोनों स्टार्स ने बताया कि अब उनकी तबीयत कैसी है। अनुपम खेर और अनिल कपूर को जब ऋषभ पंत के एक्सीडेंट के बारे में पता चला, तो वो उनसे मिलने हॉस्पिटल पहुंच गए। अनुपर खेर बताते हैं, जैसे ही हमें पता चला कि ऋषभ हॉस्पिटल में हैं, तो हम उन्हें यहां देखने आए। उनकी माताजी से मिले। अब वो पहले से बेहतर हैं। पूरे हिंदुस्तान की दुआएं उनके साथ हैं। वो जल्द ही ठीक होंगे। वो फाइटर हैं। वहीं अनिल कपूर कहते हैं, वो जोश में हैं। हमें जो-जो फिक्र थी, अब वो बिल्कुल नहीं है। आगे बात करते हुए अनुपम खेर और अनिल कपूर कहते हैं, हमने उन्हें हंसाया थोड़ा सा। हम बॉलीवुड स्टार्स नहीं, बल्कि दोस्त के तौर पर उनसे मिलने गए थे। अनुपम खेर ने भी ये कहा कि मुझे लगता है कि ऐसे समय में मिलने जाना चाहिए। हॉस्पिटल का प्रोटोकॉल फॉलो करते हुए हमने उनसे मुलाकात की। ऋषभ पंत से मिलने के बाद अनुपम खेर और अनिल कपूर बेहद खुश नजर आए। उनका कहना है कि इंडियन क्रिकेटर जल्द ही ठीक हो जाएंगे। गौरतलब है कि नए साल की शुरूआत से पहले ऋषभ पंत अपनी मां को सरप्राइज देने रुड़की जा रहे थे। ऋषभ पंत खुद गाड़ी ड्राइव करके अपने होमटाउन के लिए निकले थे। गाड़ी की स्पीड ज्यादा होने की वजह से उनका एक्सीडेंट हो गया। एक्सीडेंट में उन्हें गंभीर चोटे आई हैं, लेकिन फिलहाल वो ठीक बताए जा रहे हैं। ऋषभ पंत और अनिल कपूर से मिलने के बाद अनुपम खेर और अनिल कपूर ने सभी को धीरे गाड़ी चलाने की सलाह भी दी। इसके अलावा उन्होंने ये भी कहा कि सभी दुआ करें कि वो जल्द ही ठीक हो जाएं। अनुपम खेर और अनिल कपूर से ऋषभ पंत का हाल जानने के बाद यकीनन फैंस की टेंशन थोड़ी कम हुई होगी।

योमोसिटी में 1560 फीट ऊंचे पहाड़ से बहता है आग का झरना

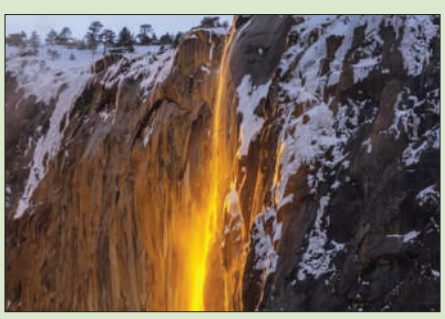

इस दुनिया में कई अद्भुत चीजे हैं, जो रहस्यों से भरी हुई हैं। इनको देखने के बाद लोग हैरत में पड़ जाते हैं कि ऐसा कैसे संभव हो सकता है। आपने कई तरह के खूबसूरत झरने देखे होंगे। लेकिन क्या आपने ऐसा झरना देखा है, जिसमें से पानी नहीं आग गिरती हो। ऐसा ही एक रहस्यमयी झरना है, जिसको देखकर लोग आश्चर्य में पड़ जाते हैं। इस झरने को देखकर ऐसा ही लगता है कि जैसे इसमें से पानी की जगह आग गिर रही है।

यह झरना कैलिफोर्निया के योसेमिटी नेशनल पार्क में है। यह झरना 1560 फीट ऊंचे पहाड़ से गिरता है। इसे देखने दूर दूर से लोग आते हैं। यह अद्भुत झरना कैप्टन माउंटेन से गिरता है। इस अद्भुत झरने को फायरफॉल भी कहा जाता है, जिसका मतलब होता है आग का झरना। दूर-दूर से लोग इस झरने का नजारा देखने आते हैं। लोग इस हैरान कर देने वाले नजारे को अपने कैमरे में कैद कर ले जाते हैं बता दें कि इस झरने में फरवरी के आखिरी हफ्ते में अलग ही नजारा देखने को मिलता है। इस झरने को जो भी देखता है हैरान रह जाता है और उसकी कुछ तस्वीरें उतारने में जरा सी भी देरी नहीं करता। यह देखने में बेहद खूबसूरत लगता है। हर साल फरवरी के अंत में इस झरने से गिरता हुआ पानी आग के समान लगता है। बता दें कि इस झरने से गिरने वाला पानी आग की तरह ही दिखाई देता है लेकिन यह आग नहीं पानी ही है। दरअसल, सूर्यास्त के आसपास यह झरना इस तरह के रंग बदलने लग जाता है। इसी के साथ सूर्यास्त पहाड़ी की दूसरी ओर होता है इसका मतलब है कि बिलकुल पीछे जिससे उसकी रोशनी पानी में बिखर जाती है और पानी में ऐसे दिखाई देता है मानों ये कोई आग का झरना हो।

अजब-गजब | चोरी करने की नहीं होती किसी की हिम्मत

झील में हर साल करोड़ों रुपये और सोने चांदी के जेवर फेंक देते हैं लोग

हमारे देश में तमाम ऐसे रहस्य मौजूद हैं जिनके बारे में हर कोई नहीं जानता। आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं जो एक झील से जुड़ा हुआ है। इस झील में करोड़ों रुपये का सोना और चांदी पड़ा हुआ है बावजूद इसके इसमें से निकालने की किसी की हिम्मत नहीं होती। दरअसल, हम बात कर रहे हैं हिमाचल प्रदेश की कमरूनाग झील के बारे में। कहा जाता है कि इस झील पर आकर जो भी मुराद मांगी जाती है वह पूरी हो जाती है। ऐसा कहा जाता है कि जब लोगों की मुराद पूरी हो जाती है तो वह इस झील में आकर सोने-चांदी के जेवरों के अलावा रुपये पैसे भी चढ़ाने आते हैं।

हिमाचल प्रदेश की खूबसूरत वादियों के बीच बसी इस झील के पास आकर हर कोई वहां का दिवाना हो जाता है। हिमाचल की वादियों में पहुंचकर आपको एक अलग ही दुनिया में होने का एहसास होता है। वहीं, हिमाचल अपनी रहस्यमयी जगहों की वजह से भी काफी प्रसिद्ध है। इस खूबसूरत प्रदेश में एक ऐसी झील है, जिसमें अरबों-खरबों रुपये का खजाना छिपा हुआ है। हालांकि, आज तक किसी ने झील से खजाना निकालने की कोशिश नहीं की। दरअसल, इस झील का नाम है कमरूनाग झील। ये झील हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले से 51 किलोमीटर दूर करसोग घाटी में मौजूद है। इसको कमरूनाग झील के नाम से जाना जाता है। इस झील तक पहुंचने के लिए पहाड़ी रास्तों से होकर गुजरना पड़ता है।जो बेहद ही मुश्किल रास्ता है। यहां पर कमरूनाग बाबा की पत्थर से बनी एक प्राचीन मूर्ति है। श्रद्धालु इस मूर्ति की पूजी करते हैं और कामना करते हैं। ऐसे कहा जाता है कि इस मूर्ति से जो भी कामना की जाती है वह पूरी हो जाती है। उसके बाद श्रद्धालु खुश होकर इस झील में सोने और चांदी के जेवर चढ़ा जाते हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक बाबा कमरूनाग यहां के लोगों को सालभर में एक बार दर्शन जरूर देते हैं। बाबा हर साल जून महीने में प्रकट होते हैं और अपने भक्तों के कष्टों का निवारण करते हैं। यहां पर जून महीने में विशाल मेले का आयोजन किया जाता है। इस खास मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा के दर्शन को पहुंचते हैं और मनचाहा वर प्राप्ति के लिए झील में सोने और चांदी के गहनें दान स्वरूप डाल देते हैं। यहां के लोगों की ऐसी धार्मिक मान्यता है कि जो भी इस झील में सोने और चांदी के गहने दान स्वरूप डालता है उनकी बाबा सारी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। यहां पर सदियों से यह परंपरा निभाई जा रही हैं। इसकी वजह से झील में करोड़ों-अरबों का खजाना इक्कट्ठा हो गया है। हालांकि कोई भी इस झील से गहनें निकालने की कोशिश नहीं करता। क्योंकि ऐसा माना जाता है कि अगर कोई ऐसा पाप करता है तो उसका सर्वनाश हो जाता है। इसी डर से इस झील से कोई सोना या चांदी के गहने या अन्य सामान निकालने की कोशिश नहीं करता।

नये साल पर सुक्खू सरकार का हिमाचल को तोहफा

छह हजार अनाथ बच्चों के लिए बनेगा 'सुखाश्रय' कोष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने नए साल के पहले ही दिन अनाथ बच्चों और एकल नारी के लिए एक बड़ी योजना का तोहफा दिया है। सीएम सुक्खू ने कहा कि सरकार अनाथ बच्चों की माता पिता बनेगी। सरकार ने पहली जनवरी 2023 से एक सुख आश्रय सहायता कोष शुरू करने का ऐलान किया है।

101 करोड़ से शुरू किया गया यह सुख आश्रय सहायता कोष उन बच्चों के लिए होगा जिनके माता पिता नहीं है। इस सहायता कोष से इन बच्चों के पड़ने से लेकर उनके जेब खर्चे और यहां तक कि उनके घूमने तक का प्रबंध किया जाएगा। यही नहीं इस सुख आश्रय सहायता कोष से उन नारियों को भी हर सुविधा दी जाएगी। जो छोटी उम्र में विधवा हो जाती हैं। इन एकल नारियों को पड़ने से लेकर उनकी शादी तक का सारा खर्च इस सुख आश्रय सहायता कोष के माध्यम से किया जाएगा।

101 करोड़ से शुरू किया गया यह सुख आश्रय सहायता कोष

फेस्टिवल पर 500 रुपए की प्रोत्साहन राशि

सुखविंदर सुक्खू ने कहा कि सरकार सभी फेस्टिवल पर 500-500 रुपए की प्रोत्साहन ग्रांट बच्चों, महिलाओं व बुजुर्गों को प्रदान करेगी। इसकी शुरुआत 13 जनवरी को लोहड़ी से की जाएगी।

कांग्रेस विधायक अपने पहले वेतन से देंगे एक-एक लाख

सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि इस कोष को 101 करोड़ से शुरू किया गया है। हालांकि 101 करोड़ जुटाना कठिन था, लेकिन हमने सभी कांग्रेस विधायकों से इस बारे में बात की। कांग्रेस विधायक ने भी अपनी पहली तनख्वाह से एक लाख रुपए इस कोष में दान करने का ऐलान किया। सुक्खू ने बीजेपी विधायकों से भी इसके लिए अनुरोध किया है। इसके अलावा सरकार ने अपने स्तर पर भी इस कोष में धन जुटा कर 101 करोड़ से इसकी शुरुआत की है। सीएम सुक्खू ने बीजेपी के विधायकों से भी इस कोष में अपनी क्षमता अनुसार सहायता राशि देने की अपील की है।

मेडिकल तक की होगी पढ़ाई

सीएम सुक्खू ने सभी से अनुरोध किया है कि अगर किसी के ध्यान में ऐसे बच्चे हों, जो आगे पढ़ना चाहते हैं, लेकिन उनके मार्ग में धन की कमी आ रही है। उनके बारे में बताए, ताकि उन बच्चों की भी इस सुख आश्रय सहायता कोष से मदद की जा सके। सुक्खू ने कहा कि बिना माता पिता के बच्चों को हम सुख का अनुभव करवाना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि उन्हें कभी ऐसा ना लगे कि उनके माता पिता नहीं हैं, जिसके चलते वह आगे पढ़ नहीं सके और कुछ बन नहीं सके। सुक्खू ने कहा कि हम इन बच्चों को जितना वह चाहें पढ़ाएंगे। यहां तक कि मेडिकल तक की पढ़ाई भी अगर यह बच्चे करना चाहें तो वह भी पूरी करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार इंजीनियरिंग, IIT, IIM, BBA, MBA जैसे पाठ्यक्रमों में बच्चों की पढ़ाई कराएगी। इसका सारा खर्च सरकार उठाएगी। अनाथ बच्चों को घूमने का मौका और जेब खर्च का पैसा भी सरकार देगी।

वृक्षारोपण ही प्रदूषण से लड़ने का उपाय: जोगीनापल्ली संजय

» नए साल का पौधरोपण कर राज्यसभा सांसद ने नई उम्मीदों के साथ स्वागत किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नए साल की पूर्व संध्या पर ग्रीन इंडिया चैलेंज के मेंटर राज्यसभा सांसद जोगीनापल्ली संतोष कुमार ने अपने प्रियजनों के साथ पौधरोपण किया। उन्होंने कहा कि नए साल की तरह हर अवसर पर पेड़ लगाने और उनकी रक्षा करने की एक नई उम्मीद है। प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के युग में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण ही उनसे लड़ने का उपाय है।

उन्होंने ग्रीन इंडिया चैलेंज के सभी समर्थकों को धन्यवाद दिया और सभी से अपील की कि वे ग्लोबल वार्मिंग और अचानक जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए पौधे लगाने का संकल्प लें। इस कार्यक्रम में सांसद बदुगुला लिंगैया यादव, वेंकट नारायण, बी वेणुगोपाल, टीएसटीएस के पूर्व अध्यक्ष राकेश चेटी रामा राव, ग्रीन इंडिया चैलेंज के सह संस्थापक राघव ने भाग लिया।

भाजपा संगठन महामंत्री बीएल संतोष लेंगे बैठक

» आज से दो दिवसीय दौरे पर पहुंच रहे लखनऊ

» बैठकों के साथ ही शुरू हो जाएगी 2024 की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष आज दो दिवसीय प्रवास पर लखनऊ आ रहे हैं। इस दौरान वे पार्टी पदाधिकारियों, क्षेत्रीय व जिलाध्यक्षों, जिला प्रभारियों और मोर्चों के अध्यक्षों के साथ बैठक कर सांगठनिक क्रियाकलापों की समीक्षा करेंगे।

पार्टी के अभियानों की भी जानकारी लेंगे। प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला ने बताया कि बीएल संतोष की अध्यक्षता

में होने वाली विभिन्न बैठकों में प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह आदि शामिल होंगे। बताया जा रहा है कि इस बैठक के साथ ही लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी शुरू हो जाएगी।

हर तीसरा आदमी होगा मंदी की चपेट में

आईएमएफ प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा की चेतावनी साल 2023 में और पड़ेगी मंदी की मार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईएमएफ की प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने चेतावनी दी है कि इस वर्ष ग्लोबल इकोनॉमी का एक तिहाई हिस्सा मंदी में रहेगा। अमेरिका, यूरोपीय संघ और चीन में मंदी आने की वजह से साल 2022 की तुलना में साल 2023 ज्यादा कठिन होगा। बीबीसी ने सीबीएस न्यूज़ से जॉर्जीवा के हवाले से कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि ग्लोबल इकोनॉमी का एक तिहाई मंदी में होगा। उन्होंने कहा कि यहां तक कि जो देश मंदी की चपेट में नहीं हैं, वहां के करोड़ों लोगों के लिए मंदी जैसा महसूस होगा।

आईएमएफ प्रमुख ने आगे चेतावनी दी कि दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी चीन को 2023 तक एक कठिन शुरुआत का

सामना करना पड़ेगा। इस जीरो-कोविड पॉलिसी के कारण चीन 2022 में नाटकीय रूप से काफी स्लो हो गया है। 40 वर्षों में पहली बार 2022 में चीन की की ग्रोथ ग्लोबल इकोनॉमी के औसत से नीचे रहने की संभावना है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि अगले कुछ महीने चीन के लिए कठिन होंगे और चीनी विकास पर प्रभाव नकारात्मक होगा, क्षेत्र पर प्रभाव नकारात्मक होगा, वैश्विक विकास पर प्रभाव नकारात्मक होगा। यह चेतावनी रूस-यूक्रेन युद्ध, बढ़ती कीमतों, उच्च ब्याज दरों और चीन में कोविड-19 महामारी की नई लहर के ग्लोबल इकोनॉमी पर दबाव के रूप में आई है।

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर 2022 में, यूक्रेन में युद्ध के साथ-साथ दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों द्वारा बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के प्रयास के कारण आईएमएफ ने 2023 के लिए अपने वैश्विक आर्थिक विकास के दृष्टिकोण में कटौती की थी। तब से चीन ने अपनी जीरो कोविड पॉलिसी को खत्म कर दिया है और अपनी इकोनॉमी को फिर से खोलना शुरू कर दिया है।

दिल्ली-यूपी समेत उत्तर भारत में अभी और सितम ढाएगी सर्दी

» दो-तीन दिन में तेज और शुष्क हवाएं ठंड के तेवर को कर सकती हैं और तीखा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली-यूपी समेत उत्तर भारत में मौसम के तीखे तेवर बरकरार हैं। राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जिले साल के पहले दिन की तरह आज भी सुबह घने कोहरे के आगोश में रहे। पूरे दिन गलन बरकरार रहने के आसार हैं। इसके एक दिन पहले नए वर्ष के पहले दिन भी सुबह घने कोहरे के साथ हुई। सुबह 5.30 से 8.30 बजे तक दृश्यता 100 मीटर रही। दोपहर 12 बजे के करीब हल्की धूप निकली, लेकिन दिनभर कोहरे का असर रहा। इससे गलन बरकरार रही। दिन के तापमान में विशेष अंतर नहीं रहा, लेकिन रात के पारे में बढ़ोतरी दर्ज हुई।

मौसम विज्ञानियों का कहना है कि दो-तीन दिन में तेज और शुष्क हवाएं सर्दी के तेवर को और तीखा कर सकती हैं। आने वाले समय में लोग हाड़ कंपाने वाली ठंड के लिए तैयार रहें। मौसम विभाग के मुताबिक, रविवार को दिन का तापमान 18 डिग्री रहा, जो कि सामान्य से 2.9 डिग्री कम रहा। दिन में ज्यादातर समय धूप न होने से गलन ने लोगों को परेशान किया। न्यूनतम तापमान एक दिन पहले के 9.3 के मुकाबले 12 डिग्री रहा, जो कि सामान्य से 4.4 डिग्री अधिक रहा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, आने वाले दिनों में कोल्ड डे कंडीशन के आसार नजर आ रहे हैं। घना कोहरा बना रहेगा। वरिष्ठ मौसम विज्ञानी एचआर रंजन के मुताबिक, सोमवार के बाद पारा गिरेगा और तेज व शुष्क हवाओं के कारण चुभने वाली ठंड बढ़ेगी। मरुस्थलीय क्षेत्रों से आने वाली शुष्क व ठंडी उत्तरी पश्चिमी पछुआ हवाओं के कारण अगले दो तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में गिरावट आएगी।

24 घंटे में दूसरी बड़ी वारदात से दहला कश्मीर

नए साल के पहले दिन चार हत्याओं से फैल गई थी सनसनी, डांगरी धमाके में आज बच्ची की मौत, एक की हालत नाजुक

» राजोरी के डांगरी में मुख्य चौक पर शवों को रखकर प्रदर्शन कर रही भीड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। नए साल पर चार हत्याओं के बाद आज धमाके की बड़ी घटना से राजोरी जिला दहल गया। ब्लास्ट में एक बच्ची की जान गई है जबकि एक घायल की हालत नाजुक बताई जा रही है। जम्मू संभाग के राजोरी जिले के डांगरी इलाके में आईईडी ब्लास्ट हुआ है। घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है। डांगरी क्षेत्र में 24 घंटे में दूसरी बड़ी घटना है। इससे पहले रविवार को आतंकियों ने लक्षित हत्याओं को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि यह धमाका भी पीड़ितों के घर के समीप ही हुआ है। मौके पर पुलिस, सुरक्षा बल की टीम मौजूद हैं।

साल 2023 के पहले दिन की शाम नकाबपोश दो आतंकियों ने नियंत्रण रेखा से सटे राजोरी जिले के डांगरी गांव में अंधाधुंध फायरिंग की। इसमें चार लोगों की मौत हो गई और छह लोग घायल हुए हैं, जिनमें तीन की हालत गंभीर है। उन्हें एयरलिफ्ट कर

जम्मू जीएमसी में भर्ती किया गया है। सोमवार सुबह आतंकी हमले के खिलाफ लोग डांगरी के मुख्य चौक पर शवों को रखकर प्रदर्शन कर रहे हैं। लोगों की मांग है कि आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही उन्होंने पीड़ितों के परिवार के उचित मुआवजे की मांग की है। कुछ प्रदर्शनकारी राजोरी जिला उपायुक्त और एसएसपी के तबादले की मांग भी कर रहे हैं।

डांगरी गांव जिला जेल परिसर के पास पड़ता है। गांव थोडी ऊंचाई पर है और घर भी यहां एक दूसरे से कुछ दूरी पर हैं, लेकिन जिस तरह से करीब दो दिन में दो बड़ी वारदातें हुई हैं, इससे सुरक्षा एजेंसियों पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। डांगरी के सरपंच धीरज शर्मा ने कहा-यह हमला पूरे सुरक्षा तंत्र पर सवाल खड़े करता है। इलाके में लोग बेहद दहशत में हैं। कई तरह की सूचनाएं पहले से भी मिलती रही हैं। इसके बावजूद आतंकियों को समय पर पकड़ा नहीं गया, जिससे आज इतनी बड़ी वारदात हुई है।

टीआरएफ ने ली हमले की जिम्मेदारी

भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा से सटे राजोरी जिले में नकाबपोश दो आतंकियों ने अल्पसंख्यक मोहल्ले में अंधाधुंध फायरिंग कर एक युवक समेत चार लोगों की हत्या कर दी। मरने वालों की पहचान दीपक कुमार (23), सतीश कुमार (45) एक्समैन और प्रीतम लाल (56) सभी निवासी डांगरी के रूप में हुई है। एक अन्य व्यक्ति की मौत बाद में अस्पताल में हो गई। आतंकियों ने पहले एक घर में घुसकर आधार कार्ड देखे और फिर फायरिंग की थी। टीआरएफ ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है।

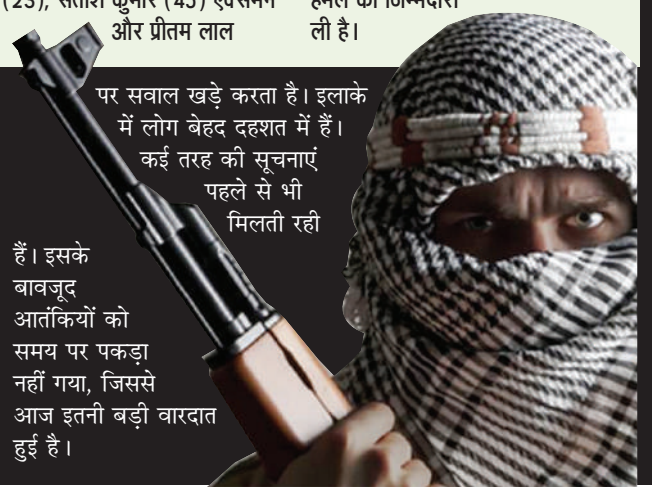

अखिलेश यादव ने राहुल को 'भारत जोड़ो' मुहिम के लिए दी शुभकामनाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा तीन जनवरी से उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने वाली है। कांग्रेस ने इसमें शामिल होने के लिए अन्य दलों को भी निमंत्रण भेजा था। अब समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारत जोड़ो यात्रा को लेकर राहुल गांधी को पत्र लिखा है।

दरअसल, बीते दिनों अखिलेश यादव ने भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए निमंत्रण नहीं मिलने की बात कही थी। तब उन्होंने कहा था कि बीजेपी और कांग्रेस दोनों एक ही जैसे हैं। लेकिन अब सपा प्रमुख का मन अचानक बदला हुआ नजर आ रहा है। इसकी वजह अखिलेश यादव द्वारा लिखी गई एक चिट्ठी है। अखिलेश ने इस चिट्ठी में भारत जोड़ो यात्रा के लिए शुभकामनाएं भेजी हैं। वहीं उन्होंने यात्रा में बुलाने के लिए धन्यवाद भी कहा है। उन्होंने चिट्ठी

में लिखा कि प्रिय राहुल जी 'भारत जोड़ो यात्रा' में आमंत्रण के लिए धन्यवाद एवं 'भारत जोड़ो' की मुहिम की सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएं। भारत भौगोलिक विस्तार से अधिक एक भाव है, जिसमें प्रेम, अहिंसा, करुणा, सहयोग और सौहार्द ही वो सकारात्मक तत्व हैं, जो भारत को जोड़ते हैं। आशा है ये यात्रा हमारे देश की इसी समावेशी संस्कृति के संरक्षण के उद्देश्य से अपने लक्ष्य को प्राप्त करेगी।

बेटी के लिए लड़ाई पर सियासत गरमाई

दिल्ली की घटना पर आप ने एलजी आवास घेरा, इस्तीफे की मांग

» लखनऊ में निकाला पैदल मार्च, पुलिस से नोक-झोंक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में नए साल के मौके पर एक जनवरी की सुबह करीब साढ़े तीन सुल्तानपुरी के कंझावला में कार और स्कूटी के हादसे के बाद लड़की कार के नीचे फंस गई और आरोपी लड़के उसको कई किलोमीटर तक घसीटते रहे, जिसके बाद लड़की की मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने कार सवार पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। अब इस केस को लेकर राजनीति भी शुरू हो गई है।

आप ने राष्ट्रीय राजधानी में कानून व्यवस्था की 'लचर' स्थिति के विरोध में दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना के आवास का घेराव कर रही है और उनके इस्तीफे की मांग कर रही है। वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस मामले के आरोपियों के लिए फांसी की मांग की है। सीएम केजरीवाल ने कहा है कि यह बेहद शर्मनाक घटना है। ये दुर्लभ घटना है। आरोपी कितने ही रसूख वाले लोग हों,सख्त से संख्त सजा मिले, फांसी मिलनी चाहिए। इससे पहले घटना को लेकर नाराज लोगों ने आम आदमी पार्टी की नेता राखी बिड़लान की गाड़ी का शीशा तोड़ दिया। राखी बिड़लान सुल्तानपुरी थाने पहुंची थीं।

वहीं राजधानी लखनऊ में आम आदमी पार्टी ने स्वास्थ्य भवन चौराहे से निकाला पैदल मार्च। मौके पर पहुँची पुलिस से समर्थकों की हुई नोक झोंक। आम आदमी पार्टी के समर्थकों ने उत्तर प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर की नारेबाजी। पुलिस ने समर्थकों को हिरासत में लेकर ईकोगार्डन भेजा ।

आरक्षण पर सर्वोच्च अदालत में सुनवाई 4 को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने दायर की याचिका

नई दिल्ली। स्थानीय निकाय चुनाव मामले में उत्तर प्रदेश सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि वह इस मामले में चार जनवरी को सुनवाई करेगा। दरअसल, शहरी स्थानीय निकाय चुनावों की अधिसूचना रद्द करने के हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ यूपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में निकाय चुनावों पर सरकार की मसौदा अधिसूचना को रद्द कर दिया गया था।

दायर अपील में कहा- ओबीसी संवैधानिक रूप से संरक्षित वर्ग हैं और उच्च न्यायालय ने मसौदा अधिसूचना को रद्द करने में गलती की है।

राज्य सरकार ने अपनी याचिका में कहा है कि उच्च न्यायालय पांच दिसंबर की मसौदा अधिसूचना को रद्द नहीं कर सकता है, जो अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों के अलावा अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) के लिए शहरी निकाय चुनावों में सीटों के आरक्षण का प्रावधान करता है। एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड रुचिरा गोयल के माध्यम से दायर अपील में कहा गया है कि ओबीसी संवैधानिक रूप से संरक्षित वर्ग हैं और उच्च न्यायालय ने मसौदा अधिसूचना को रद्द करने में गलती की है। बता दें, उत्तर प्रदेश सरकार ने हाल ही में नगर निकाय चुनावों में ओबीसी को आरक्षण प्रदान करने के लिए सभी मुद्दों पर विचार करने के लिए पांच सदस्यीय आयोग गठित किया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।